संख्या– 2101/60–2–18–2/3(27)/05

प्रेषक,

डा0 अनूप चन्द्र पाण्डेय,
मुख्य सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

1. **समस्त जिलाधिकारी,उ0प्र0।**
2. **समस्त मुख्य विकास अधिकारी/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पोषण मिशन, उ0प्र0।**

महिला एवं बाल विकास अनुभाग–2 लखनऊः दिनॉक 30 जुलाई, 2018

विषयः **सुपोषण स्वास्थ्य मेला**–प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण दिवस को 'मेले' के रूप में आयोजित करने संबंधी।

महोदय,

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित पोषण अभियान देश में पोषण के स्तर को युद्धस्तर पर बढ़ाने का एक समग्र कार्यक्रम है। पोषण अभियान का शुभारम्भ मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 08.03.2018 को किया गया है।

2–पोषण अभियान (राष्ट्रीय पोषण मिशन) के उद्देश्य में मुख्य रूप से 0 से 06 वर्ष तक के बच्चों के कुपोषण की रोकथाम, बौनापन एवं व्याप्त एनीमिया की स्थिति में सुधार, 15 से 49 वर्ष के मध्य किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता में कमी के साथ–साथ जन्म के समय कम वजन की स्थिति में 02–03 प्रतिशत की प्रतिवर्ष कमी लाना है। अभियान में उपर्युक्त आयु वर्ष के बच्चों, किशोरियों एवं महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं, लाभार्थियों और समुदाय में बड़े पैमाने पर व्यवहार परिवर्तन व उन्हें प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है। इस कार्य को जन आन्दोलन के रूप में किया जाना है।

3–प्रदेश सरकार ने पोषण अभियान के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश के समस्त जनपदों में शासनादेश संख्या 1857/60–2–2018–2/3(27)2005 दिनांक 13 जुलाई, 2018 निर्गत किया गया है। पोषण अभियान में स्वास्थ्य एवं पोषण गतिविधियों को समुदाय स्तर पर जन आंदोलन के रूप में आयोजित करने की बात कही गयी है। सुपोषण की रोकथाम हेतु यह आवश्यक है कि सभी विभाग, स्टेक होल्डर्स, अधिकारीगण व प्रथम पंक्ति के कार्यकर्ता पोषण की जागरूकता सम्बन्धी गतिविधियों से जुड़े, जिससे कि सभी सही पोषण एवं स्वास्थ्य की महत्वता समझ सकें तथा इस अभियान का अभिन्न अंग बन सके।

ग्राम स्तर पर समग्र स्वास्थ्य व पोषण सेवाएं पहुंचाने का वी0एच0एन0डी0 एक प्रभावी मंच है। यह दिवस प्रत्येक माह निर्धारित स्थल व निर्धारित समय (पूर्व निर्धारित माइक्रो प्लान के अनुसार) पर आयोजित किए जाते हैं। ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवसों पर सेवाएं ए0एन0एम0 द्वारा मुख्यतः प्रदान की जा रही हैं। इस कार्य में ए0एन0एम0 का सहयोग आशा व आंगनबाड़ी कायकत्री द्वारा दिया जाता है। सामान्यतः ए0एन0एम0 को 8000–10,000 जनसंख्या के कार्य क्षेत्र में प्रत्येक माह 07–08 ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस आयोजित किए जाते हैं। इन दिवसों में प्रथम दिवस उपकेन्द्र पर संचालित किया जाता है तथा शेष दिवस उपकेन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य गांवों में आयोजित किये जाते हैं।

उ0प्र0 में अनुमानतः 1,60,000 ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवसों का आयोजन प्रतिमाह होता है। इस दिवसों का वर्तमान में फोकस नियमित टीकाकरण व प्रसव पूर्व सेवाओं पर है। प्रसव पूर्व सेवाएं व बच्चों की देखभाल हेतु आवश्यक है कि इन दिवसों पर जांच की समुचित व उपर्युक्त व्यवस्था हो,

परन्तु अधिकतर सत्रों में स्थल की कमी के कारण पर यह सम्भव नहीं हो पाता है। इसके अतिरिक्त परामर्श स्वच्छता व पोषण सेवाओं के क्रियान्वयन में भी कमी पायी गई है।

4– उपर्युक्त के कम में ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवसों को सेवा तथा कम्युनिकेशन मंच के रूप में स्थापित करते हुए सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना तथा पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं का कवरेज बढ़ाने के उद्देश्य से निम्न निर्देश दिए जाते हैंः–

i. **प्रत्येक माह प्रथम बुद्धवार को स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण दिवस की ब्रैन्डिग करते हुए सुपोषण स्वास्थ्य मेले के रूप में आयोजित किया जाए जिसमें ए0एन0एम0 उपकेन्द्र पर लाभार्थियों को गुणवत्तापरक स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता सेवाएं पहुचाई जाएं।**

ii. **मेले की टैगलाइन/ब्रैन्डिंग निम्नवत होगी :**
''सही पोषण–देश रोशन,
मेरी पहल–मेरा वचन''

iii. **प्रस्तावित मेले का भौगोलिक क्षेत्रः–**
माह के प्रथम बुधवार को जिस उपकेन्द्र में वी0एच0एन0डी0 मनाया जाता है, उसी गांव में इसे मेले के रूप में संचालित किया जाए। प्रदेश में कुल 21730 उपकेन्द्र संचालित हैं। इस प्रकार प्रत्येक माह 21730 उपकेन्द्रों पर मेले का आयोजन इस प्रकार होगा।

iv. **स्थान**
प्रत्येक माह का प्रथम बुधवार उपकेन्द्र पर

v. समयावधि
प्रातः 10.00 बजे से सांयकाल 04.00 बजे तक

- 08:00–10:00 – सत्र पर मोबिलाईजेशन आंगनबाड़ी/आशा के माध्यम से
- 10.00–11:00 – चिन्हित मासिक विशय–वस्तु पर परामर्श व डिमाइस्ट्रेशन (संयुक्त रूप से) ए0एन0एम0/आशा व आंगनबाड़ी द्वारा
- 11.00–04.00 – स्वास्थ्य व पोषण सेवाओं की उपकेन्द्र से डिलीवरी

vi. **प्रतिभागी**
- गर्भवती महिलाएं
- बच्चे
- धात्री महिलाएं
- किशोरी बालिकाएं (14 से 18 वर्श)
- मातृ समिति के सदस्य

vii. **कियान्वयन रणनीति**
प्रत्येक उपकेन्द्र पर ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस पर कई काउन्टर/स्टाल स्थापित किए जाएं। इस दिन उपकेन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य गांवो की आंगनबाड़ी कार्यकत्री व आशाओं को भी बुलाया जाये।

(क) **स्वास्थ्य सेवाओं के काउन्टर (ए0एन0एम0 व आशा)**
- टीकाकरण
- सामान्य जांच व दवा वितरण

- ○ प्रसवपूर्ण जांच विषेशतः पेट की जांच
- ○ आयरन की सिरप, विटाामिन ए, जिंक– ओ.आर.एस.

(ख) **पोषण सेवाओं के काउन्टर**
- ○ बच्चों का पुर्नवजन (विशेषतः कुपोषित व अतिकुपोषित)
- ○ पोषाहार वितरण

(ग) **परामर्श सेवाओं का काउन्टर**
- ○ किशोरी बालिकाएं
- ○ गर्भवती व धात्री महिलाएं
- ○ कुपोषित बच्चे/बीमार बच्चे

viii. **प्रत्येक विभाग द्वारा नीचे सारिणी में दी गई गतिविधियां संचालित की जांएगी।**

	स्वास्थ्य	**आई0सी0डी0एस0**	**पंचायती राज**
ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस से पूर्व किये जाने वाले कार्य	• आशा द्वारा गर्भवती, बीमार बच्चों व टीकाकरण से छूटे बच्चों की ड्यू लिस्ट बनाना • ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण दिवस के बारे में परिवार को पूर्व से सूचित करना • जच्चा–बच्चा सुरक्षा कार्ड की उपलब्धता उपर्युक्त मात्रा में सुनिष्चित करना • ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण दिवस के संचालन हेतु उपकरण/वैक्सीन/ टेस्टिंग किट की उपलब्धता सुनिश्चित करना • आई0ई0सी0 सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना	• पीले व लाल श्रेणी के बच्चों की सूची बनाना • पोशाहार के पैकेट (लाभार्थीवार) की उपलब्धता • क्रियाश्शील वजन मशीन की उपलब्धता आई0ई0सी0 सामग्री	ग्राम प्रधान द्वारा निम्न गतिविधियां की जाएंगी ✓ स्थल की साफ–सफाई ✓ पेट की जांच हेतु एकान्त स्थान/मेज की व्यवस्था ✓ लाभार्थियों के लिए कुर्सियों की उपलब्धता ✓ पीने के पानी की उपलब्धता ✓ हांथ धोने व टायलेट की व्यवथा ✓ निर्धारित ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के बारे में जानकारी फैलाना ✓ बच्चों के पिता /गर्भवती महिलाओं के पति की विशेष बैठकों का आयोजन करना ✓ पिछले ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवसों से छूटे हुए बच्चों/ महिलाओं को केन्द्र पर आने हेतु प्रेरित करना
ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दौरान	• सभी गर्भवती महिलाओं की पेट की जांच	• कुपोषित बच्चों का पुनर्वजन (लाल श्रेणी)	• हाथ धोने के चरणों को बच्चों/ महिलाओं के

किये जाने वाले कार्य	• रक्तचाप, पेशाब व खून की जांच सभी गम्भीर व मध्यम एनीमिया से ग्रसित महिलाओं की लिस्ट बनाना (नामवार) • गम्भीर एनीमिया केस व अन्य हाई रिस्क प्रेगनेन्सी का सन्दर्भन • एम0सी0पी0 कार्ड में सूचना अद्यतन करना तथा गर्भवती महिलाओं तथा अभिभावकों को सभी जांचों के बारे में जानकारी • अतिकुपोषित बच्चों तथा बीमार बच्चों की स्वास्थ्य जांच करना • सभी कुपोषित बच्चों का आशा द्वारा एस0एन0एम0 हेतु स्क्रीनिंग • संयुक्त परामर्श–आशा/आंगनबाड़ी द्वारा	•पीली व लाल श्रेणी के बच्चों की स्वास्थ्य जांच ए0एन0 एम0 द्वारा सुनिश्चित करवाना •पोषाहार वितरण •अतिकुपोषित व कुपोषित बच्चों का वजन एम0 सी0पी0 कार्ड में चढ़ाना •संयुक्त परामर्श व डिमान्स्ट्रेशन आशा के साथ •स्कूल न जाने वाली किशोरियों सखी/सहेली का परामर्श	सहयोग से दर्षाना • पुरूष वर्ग (पति/पिता) के साथ निर्धारित विषयवार बैठक
ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के पश्चात्	• रिकार्ड का अद्यतन छूटे हुए बच्चों/महिलाओं की सूची बनाते हुए उसे ग्राम प्रधान के साथ साझा करना ताकि अगली बार उन्हें आच्छादित किया जा सके	• रिकार्ड का अद्यतन अतिकुपोषित बच्चों की सूची ग्राम प्रधान के साथ साझा करना, इस उद्देश्य के साथ कि उन्हें किसी विशेष सोच की आवश्यकता हो, उसको प्रदान करवाना	बीमार/अतिकुपोषित बच्चों के ट्रान्सपोर्ट की व्यवस्था करना (यदि आवश्यक हो)

ix. **अनुश्रवण व रिपोर्टिंग**

- स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता की संयुक्त भ्रमण चेक लिस्ट बनाना।
- किसी एक बुधवार के दिन एक ब्लॉक में 25–30 वी0एच0एन0डी0 का आयोजन हो रहा होगा। यह आवश्यक होगा कि संयुक्त/एकाकी अनुश्रवण प्लान ब्लाक स्तर पर इस प्रकार तैयार करना कि प्रत्येक माह के पहले बुधवार को आयोजित होने वाले सत्रों में स्वास्थ्य, आई0सी0डी0एस0, शिक्षा, महिला कल्याण, पंचायती राज, ग्राम्य विकास व अन्य विभागों के ब्लॉक/तहसील/जिला स्तरीय अधिकारियों तथा स्वास्थ्य प्रेरकों द्वारा अनुश्रवण किए जाएं।

x. **सुपोषण स्वास्थ्य मेले को समुदाय में जन आंदोलन की गतिविधियों को एन्ट्री प्वाइन्ट के रूप में स्थापित करना।**

- ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस समुदाय में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं प्रदान करने का एकमात्र मंच है। यह दिवस पूर्व से ही सुनियोजित ढंग से चलाया जा रहा है। उक्त के दृष्टिगत यह प्रस्तावित है कि ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दिन समुदाय को मोबिलाइज करते हुए गांव के स्थलों जैसे कि उपकेन्द्र, पंचायत भवन, स्कूल आदि में गांव के लोगों को एकत्रित करते हुए एक पूर्व निर्धारित थीम पर चर्चा की जाए। यह कार्य एक ही समय हर माह के पहले बुधवार को हो, जिससे कि समुदाय इसे पोषण स्वास्थ्य से जोड़ते हुए मुख्य संदेशों को समझते हुए उसे आत्मसात कर सके। इस प्रकार की गतिविधियों को आयोजित करने से पूरे समुदाय में एक साथ एक विषय पर चर्चा की जाएगी।

5– बजट –उपकेन्द्र पर 'सुपोषण स्वास्थ्य मेले' को आयोजित करने हेतु पोषण अभियान के अन्तर्गत अलग से बजट निर्गत किया जाएगा।

6– उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

भवदीय

(अनूप चन्द्र पाण्डेय)
मुख्य सचिव

पृष्ठांकन संख्याः उपरोक्तानुसार : तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन, उ0प्र0।
2. आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0।
3. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
4. मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन, उ0प्र0।
5. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें/परिवार कल्याण, उ0प्र0।
6. निदेशक, पंचायती राज, उ0प्र0।
7. निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार, उ0प्र0।
8. निदेशक, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0।
9. राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, उ0प्र0।
10. समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उ0प्र0।
11. समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी, उ0प्र0।
12. समस्त जिला पंचायतीराज अधिकारी, उ0प्र0।
13. समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।
14. समस्त जिला पूर्ति अधिकारी, उ0प्र0।
15. राज्य प्रतिनिधि, यूनिसेफ।
16. अधिशासी निदेशक, उ0प्र0 तकनीकी सहयोग इकाई, लखनऊ।
17. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

30/7

(मोनिका एस0 गर्ग)
प्रमुख सचिव